



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 1 सितम्बर, 1990/10 भाद्रपद, 1912

हिमाचल प्रदेश सरकार

तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 22 जून, 1990

संख्या 1-2/83-एस० टी० वी० भाग-(II).—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में वाणिज्य एवं साचिविक पद्धति में विभागाध्यक्ष वर्ग-I राजपत्रित पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध “अ” के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा,

व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, वाणिज्य एवं साचिविक पद्धति में विभागाध्यक्ष (वर्ग-I राजपत्रित) पद भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1990 है।

(2) ये नियम तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

उपाबन्ध "अ"

तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हिमाचल प्रदेश में वाणिज्य एवं साचिविक पद्धति में विभागाध्यक्ष राजपत्रित वर्ग-I पद के लिए भर्ती और प्रोन्नति नियम

- | | |
|--|---|
| 1. पद का नाम | वाणिज्य और साचिविक पद्धति में विभागाध्यक्ष |
| 2. पदों की संख्या | 2 (दो) |
| 3. वर्गीकरण | वर्ग-I (राजपत्रित) |
| 4. वेतनमान | रु 3000-100-40 00-125-45 00 + 200/- वि 0 वे 0 |
| 5. चयन पद अथवा अचयन पद | चयन |
| 6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु। | 45 वर्ष या इससे कम : |

परन्तु सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा तदर्थ या संविदा पर नियुक्त सहित, पहले ही सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों पर लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिकव्य हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में शिथिलीकरण के लिए पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिये अधिकतम आयु सीमा में उतना ही शिथिलीकरण किया जा सकेगा जितना कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेशों के अधीन अनुज्ञेय है :

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेलन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु की सीमा में ऐसी ही रियायत दी जायेगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सैक्टर निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारी-वृन्द को नहीं दी जायेगी जो पश्चात्पूर्व ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किये गये थे/किये गये हैं और उन पब्लिक सैक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेलित किए गए हैं/किए गए थे।

टिप्पण-1.—सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिन से की जाएगी जिसमें आवेदन आमन्त्रित करने के लिए यथा स्थिति पद विज्ञापित या नियोजनालयों को अधिसूचित किए जाते हैं।

टिप्पण-2.—अन्यथा सुअहित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा।

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं।

अनिवार्य :

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य/व्यवसाय प्रशासन/प्रबन्धकीय में द्वितीय श्रेणी में स्नातकोत्तर की उपाधि साथ कम से कम पांच वर्ष का अध्यापन/व्यवसायिक अनुभव।

(ii) मैट्रिक स्तर तक हिन्दी का ज्ञान।

वांछनीय अर्हताएं :

हिमाचल प्रदेश की ऋद्धियों, रीतियों और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विलक्षण दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता।

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं, प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं।

आयु : नहीं

शैक्षिक अर्हताएं : हां।

परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो

दो वर्ष, जिसका कि एक वर्ष से अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी, विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें।

भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता।

शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां, जिन में से प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जायेगा।

वाणिज्यक एवं साचिविक पद्धति में प्राध्यापकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके 5 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

टिप्पणी-1.—प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व संभरण पद में 31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, तो प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, गणना में ली जाएगी :—

(क) उन सभी मामलों में जहां कोई कनिष्ठ व्यक्ति संभरण में अपने कुल सेवाकाल (31-12-1983 तक की गई कुल तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार के लिए पात्र हो जाता है, वहां उससे

वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार के लिए पात्र समझे जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु प्रोन्नति के लिए विचार किए जाने वाले सभी पदाधिकारियों की, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होनी चाहिए :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र हो जाता है वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा ।

(ख) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति से पूर्व 31-12-1983 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु स्थायीकरण के परिणामस्वरूप तदर्थ सेवा की गणना में ले कर पारस्परिक ज्येष्ठता अपरिवर्तित रहेगी ।

(ग) 31-12-1983 के पश्चात् की गई तदर्थ सेवा प्रोन्नति/स्थायीकरण के प्रयोजन के लिए गणना में नहीं ली जायेगी ।

टिप्पणी-2—जब कभी नियम 2 के अनुसार पदों में बढ़ोतरी अथवा कमी होती है तो नियम 10 और 11 के उपबन्ध, सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षित किए जाएंगे ।

जैसा कि सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए ।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है ।

किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिये अभ्यर्थी निम्नलिखित आवश्यक होना चाहिए:—

(क) भारत का नागरिक, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) तिब्बती शरणार्थी, जो 1 जनवरी, 1962 से पूर्व भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास के लिए आया हो, या

(ङ) भारतीय मूल का कोई व्यक्ति जिसने पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीका के देशों की निया, युगांडा

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हों, तो उसकी संरचना ।

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा ।

14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।

यूनाइटेड रिपब्लिक आफ तंजानिया (पहले तान्जानिया और जंजीबार), जॉंबिया, मालावी, जेयरे और इथोपिया से भारत में स्थायी निवास के आशय से प्रवास किया है :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के अभ्यर्थी ऐसे व्यक्ति होंगे जिनके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो।

ऐसे अभ्यर्थी को, जिनके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा/माक्षाकार में प्रवेश किया जा सकेगा, परन्तु उसे नियुक्ति का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा पात्रता का अपेक्षित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात् ही दिया जाएगा।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन।

सीधी भर्ती के मामले में पद पर नियुक्ति के लिए चयन मौखिक परीक्षा के आधार पर और यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यवहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम यथा-स्थिति, आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जायेगा।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों/गिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्ति के लिए सेवाओं में आरक्षण की बाबत जारी किए गए आदेशों के अधीन होगी।

17. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो यह कारणों को अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों में या इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों का किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

18. विभागीय परीक्षा

1. सेवा में प्रत्येक सदस्य को, समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा:--

(1) आगामी देय दक्षतारोध पार करने के लिए

(2) परिवीक्षा अवधि के पूर्ण होने के पश्चात् भी स्थायीकरण के लिए, और

(3) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए:

परन्तु उस अधिकारी से जिसने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतः या अंशतः

विभागीय परीक्षा पास की है, यथास्थिति पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए उन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो, उससे इन नियमों के अधीन विहित विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिसके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उसे 50 वर्ष की आयु प्राप्त करने के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :—

- (1) आगामी देय दक्षतारोध पार करने के लिए, और
- (2) परीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए ।

2. किसी अधिकारी से अपनी प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति पर विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, यदि उसने निम्न स्तर पर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है।

3. सरकार, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को अभिलिखित करके, विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा से पूर्णतः या भागतः छूट मंजूर कर सकेगी, परन्तु यह तब जब कि ऐसे अधिकारी पर उसकी अधिर्वाप्ति की आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किसी अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना समान्य नहीं हो ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
आयुक्त एवं सचिव ।

[Authoritative English text of this Department notification No. 1-2/83-STV-Vol. II, dated 22-6-1990 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

TECHNICAL EDUCATION, VOCATIONAL AND INDUSTRIAL TRAINING DEPARTMENT NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 22nd June, 1990

No. 1-2/83-STV-Vol. II. —In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Head of Department in Commercial and Secretarial Practices Class-I Gazetted

in the Department of Technical Education, Vocational and Industrial Training, Himachal Pradesh as per Annexure-A, attached to this notification, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh, Technical Education, Vocational and Industrial Training Department, Head of Department in Commercial and Secretarial Practices(Class-I Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1990.

(2) These shall come into force with immediate effect.

ANNEXURE-A

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF HEAD OF DEPARTMENT IN COMMERCIAL AND SECRETARIAL PRACTICE IN THE DEPARTMENT OF TECHNICAL EDUCATION, IN THE HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT

- | | |
|--|--|
| 1. Name of the post | Head of Department in Commercial and Secretarial Practice. |
| 2. Number of posts | 2 (Two) |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted) |
| 4. Scale of pay | Rs. 3000—4500 plus Rs. 200/- special pay. |
| 5. Whether selection post or non-selection post. | Selection |
| 6. Age for direct recruitment | 45 years and below: |

Provided that the upper age limit for direct recruits will not be applicable to the candidates already in service of the Government including those who have been appointed on *ad hoc* or on contract basis:

Provided further that if a candidate appointed on *ad hoc* basis had become overage on the date when he was appointed as such, he shall not be eligible for any relaxation in the prescribed age limit by virtue of his such *ad hoc* or contract appointment:

Provided further that upper age limit is relaxable for scheduled castes/scheduled tribes/other categories of persons to the extent permissible under the general or special orders of the Himachal Pradesh Government:

Provided further that the employees of all the public sector corporations and autonomous bodies who happened to be Government servants before absorption in the public sector corporations/autonomous bodies at the time of initial constitution of such corporations/autonomous bodies, shall be allowed age concession in direct recruitment as admissible to Government servants. This concession will not, however,

be admissible to such staff of the public sector corporations/autonomous bodies who were/are subsequently appointed by such corporations/autonomous bodies and are/were finally absorbed in the service of such corporations/autonomous bodies after initial constitution of the public sector corporations/autonomous bodies.

Note-1.—Age limit for direct recruitment will be reckoned on the first day of the year in which the posts are advertised for inviting applications or notified to the Employment Exchanges, as the case may be.

Note-2.—Age and experience in the case of direct recruitment are relaxable at the discretion of the Himachal Pradesh Public Service Commission in case of the candidate is, otherwise well qualified.

7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruitment.

Essential :

- (i) 2nd Class Master's Degree in Commerce/ Business Administration/Management from a recognised University with at least 5 years teaching/professional experience.
- (ii) Knowledge of Hindi upto Matric standard.

Desirable qualifications :

Knowledge of customs, manners and dialects of Himachal Pradesh and suitability for appointment in the peculiar conditions prevailing in the Pradesh.

8. Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.

Age : No
E. Q. : Yes

9. Period of probation, if any

Two years subject to such further extension for a period of not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing.

10. Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, deputation/transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion, failing which by direct recruitment.

11. In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made.

By promotion from amongst the Lecturer in Commercial and Secretarial Practice having at least 5 years regular service or regular combined with *ad hoc* (rendered upto 31-12-83) service in the grade.

Note 1.—In all cases of promotion *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-12-1983,

if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions:—

- (a) That in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including *ad hoc* service rendered upto 31-12-1983) in the feeder post, in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior persons in the field of consideration :

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

- (b) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* service rendered in the post upto 31-12-1983, if any, prior to the regular appointment against such post, shall be taken into account towards the length of service:

Provided that the *inter-se-seniority* as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service shall remain unchanged.

- (c) *ad hoc* service rendered after 31-12-1983 shall not be taken into account for confirmation/promotion purposes.

Note-2.—Provisions of cols. 10 and 11 are to be revised by the Government in consultation with the Commission as and when the number of posts under col. 2 are increased or decreased.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition?

As may be constituted by the Government from time to time.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

As required under the law

14. Essential requirement for direct recruit.

A candidate for appointment to any service or post must be:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who crossed over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the Himachal Pradesh Public Service Commission, or other recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

15. Selection for appointment to the post by direct recruitment.

Selection for appointment to the post in the case of direct recruitment shall be made on the basis of *viva-voce* test and if the Himachal Pradesh Public Service Commission or other recruiting authority, as the case may be, so consider necessary or expedient by a written test or a practical test, the standard/syllabus etc. of which will be determined by the Commission/other recruiting authority, as the case may be.

16. Reservation

The appointment to this service shall be subject to orders regarding reservation in the services for scheduled castes/scheduled tribes/backward classes/other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination

(1) Every member of the service shall pass a departmental examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to:—

- (i) cross the efficiency bar next due,

(ii) confirmation in the service even after completion of probationary period, and

(iii) promotion to the next higher post :

Provided that an officer who has qualified the departmental examination in whole or in part prescribed under any rule before the notification of these rules, shall not be required to qualify the whole or in part of the examination, as the case may be :

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under the rules :

Provided further that an officer for whom no departmental examination was prescribed prior to the notification of these rules and who had not attained the age of 45 years on 1-3-1976 he shall not be required to qualify the departmental examination prescribed under these rules after attaining the age of 50 years for the purposes of (i) crossing the efficiency bar next due; and (ii) confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An officer on promotion to the higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be reduced to writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any class or category of persons from the departmental examination in whole or in part provided that such officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service

Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

By order,

Sd/-

Commissioner-cum-Secretary
